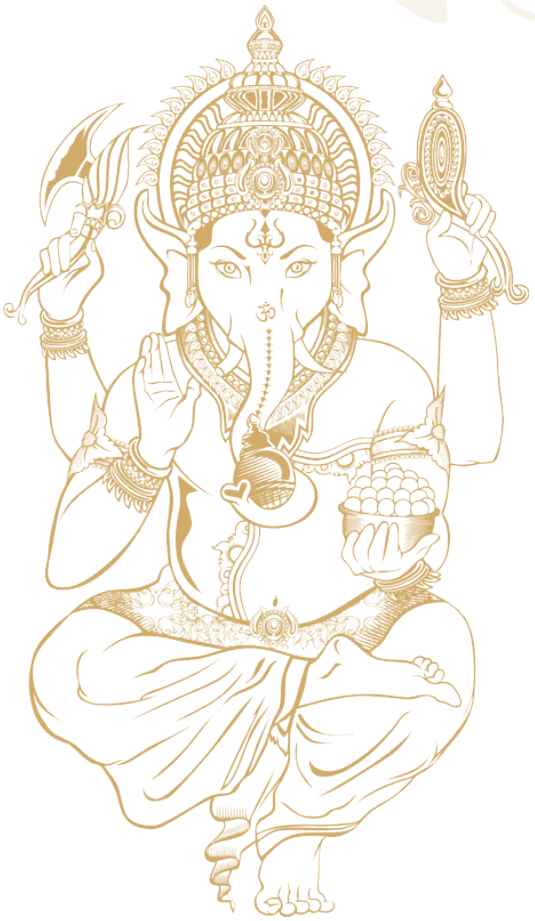

Ankit Misthi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120848503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24-25/12/2000	जन्म तिथि	30/07/2003
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:20:00	जन्म समय	08:30:00 घंटे
घटी 52:43:49	जन्म समय(घटी)	07:10:00 घटी
India	देश	India
Yamunanagar	स्थान	Karnal
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:28	सूर्योदय	05:40:05
17:27:15	सूर्यास्त	19:16:26
23:51:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:12

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 5मा 5दि		00:36:45	वृश्चि	लग्न	सिंह	18:04:29	बुध 8वर्ष 11मा 25दि	
शुक्र		09:34:55	धनु	सूर्य	कर्क	12:39:52	शुक्र	
01/06/2007		01:04:49	धनु	चंद्र	कर्क	22:57:10	25/07/2019	
01/06/2027		06:55:39	तुला	मंगल व	कुंभ	16:13:33	25/07/2039	
शुक्र	01/10/2010	09:05:33	धनु	बुध	सिंह	05:24:01	शुक्र	23/11/2022
सूर्य	01/10/2011	08:57:37	वृष व	गुरु	कर्क	29:58:10	सूर्य	23/11/2023
चन्द्र	01/06/2013	25:13:18	मक	शुक्र	कर्क	07:15:18	चन्द्र	24/07/2025
मंगल	01/08/2014	01:04:06	वृष व	शनि	मिथु	13:14:10	मंगल	23/09/2026
राहु	01/08/2017	21:36:45	मिथु व	राहु व	वृष	02:58:34	राहु	23/09/2029
गुरु	01/04/2020	21:36:45	धनु व	केतु व	वृश्चि	02:58:34	गुरु	24/05/2032
शनि	01/06/2023	24:27:14	मक	हर्ष व	कुंभ	07:54:07	शनि	25/07/2035
बुध	01/04/2026	11:13:08	मक	नेप व	मक	18:01:56	बुध	24/05/2038
केतु	01/06/2027	19:38:47	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	23:33:48	केतु	25/07/2039

लग्न-चलित

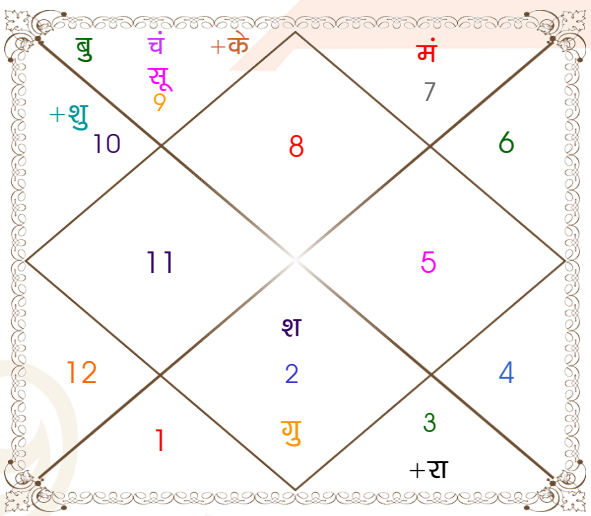

लग्न-चलित

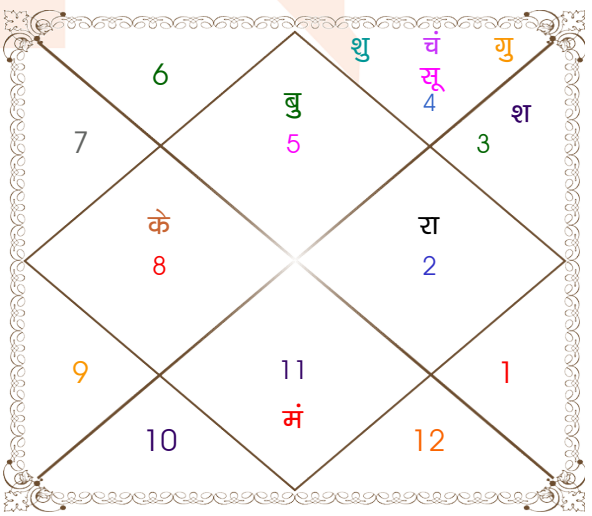

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	मार्जार	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।दापज का वर्ग मृग है तथा डपेजीप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दापज और डपेजीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।दापज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।दापज कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डपेजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डपेजीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ।दापज कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दापज तथा डपेजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।